# भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)
# दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी

## प्रेस विज्ञप्ति

**24 नवंबर, 2014**

## पीएलजीए की 14 वीं स्थापना वर्षगांठ मनाने की अपील

हमारी पार्टी दण्डकारण्य (छत्तीसगढ़ एवं महाराष्ट्र के गढ़चिरोली व गोंदिया जिलों) की जनता का आह्वान करती है कि वह आगामी 2 से 8 दिसंबर तक जनमुक्ति छापामार सेना–पीएलजीए की 14 वीं स्थापना वर्षगांठ को गांव–गांव मे जोरदार ढ़ंग से मनावें। इस अवसर पर मजदूर, किसान, बेरोजगार युवाओं से अपील करती है कि वे पुलिस, अर्ध–सैनिक व सैन्य बलों मे भर्ती के लिए केंद्र राज्य सरकारों के द्वारा चलायें जाने वाले भर्ती अभियानों का खुलकर बहिष्कार करे। जल–जगल–जमीन व संसाधनों पर जनता के अधिकार को कायम करने के लिए, असली आजादी व विकास के लिए जारी क्रांतिकारी जनयुद्ध को तेज करने पीएलजीए में भर्ती होवें। देश की उत्पीड़ित जनता पर केंद्र–राज्य सरकारों के द्वारा जारी नजायज जंग ऑपरेशन ग्रीनहंट को जायज जनयुद्ध के जरिए हराने में यथासंभव योगदान देवें। दण्डकारण्य के संघर्ष इलाकों में उत्पीड़ित आदिवासी व गैर आदिवासी जनता के द्वारा स्थापित क्रांतिकारी जनताना सरकारों को मजबूत व विस्तार करने में उनकी मदद करें।

सत्तारूढ़ होते ही भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार विगत की यूपीए सरकार को कही दूर पीछे छोड़ती हुई सांमती, दलाल बड़े पूंजिपतियों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों की सेवा में जनविरोधी नीतियों पर तेजी से अमल कर रही है। एनडीए के 100 दिन के शासन काल में ही हजारों किसानों ने आत्म हत्या की और दसियों हजारों ने आत्म हत्या की कोशिश की। बरसों से अनगिनत संघर्षों व कुरबानियों के जरिए मजदूरों के द्वारा हासिल सुविधाओं को श्रम कानूनों में मजदूर विरोधी व पूंजीपति परस्त बदलावों के जरिए मजदूरों से छीनने की प्रक्रिया तेज हो गयी है। रक्षा सहित तमाम क्षेत्रों में विदेशी प्रत्यक्ष पूंजी निवेश को खुली छूट दी जा रही है। जल–जगल–जमीन व संसाधनों सहित सार्वजनिक संपत्ति को देशी–विदेशी पूंजीपतियों के हवाले करने की नीतियां अभूतपूर्व ढंग से रफ्तार पकड़ चुकी है। जनवादी, प्रगतिशील, विस्थापन विरोधी एवं क्रांतिकारी संर्घर्षो पर दमन में गुणात्मक बढ़ोत्तरी हुई है। अपने हिंदुत्ववादी सांप्रदायिक व अंध राष्ट्रीयवादी एजेण्डे पर काम करते हुए संघपरिवार सरकारी संरक्षण में मुस्लिम, ईसाई, दलित व आदिवासियों पर हमले तेज कर रहा है। संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक आजादी का घोर उल्लंघन करते हुए घर वापसी के नाम पर बस्तर संभाग के दलितों व आदिवासियों को दबाव, धौंस, हमलें, आगजनी आदि के जरिए आंतकित कर रही है जो कि निंदनीय ही नहीं बल्कि डटकर प्रतिरोध करने की जरूरत की ओर इंगित करता है। दूसरी ओर आदिवासियों के हिन्दूकरण की जबरिया कोशिश की जा रही है। हिन्दू देवी–देवताओं, त्योहारों, रीति–रिवाजों के थोपा जा रहा है। इस्लामिक आतंकवाद के नाम पर छत्तीसगढ़ में भी मुस्लिम युवाओं की धरपकड़ शुरू हो गयी है।

पीएलजीए की 14वीं स्थापना वर्षगांठ के मौके पर हमारी पार्टी पीड़ित तबको के तमाम युवाओं विशेषकर आदिवासी, दलित, इसाई, मुस्लिम युवाओं का आह्वान करती है कि वे हिन्दू फासीवादी मोदी सरकार के खिलाफ एकजूट हो जूझारू संघर्ष करें; पीएलजीए में शामिल होकर शोषण मूलक समाज व्यवस्था को खत्म करने, नवजनवादी समाज व्यवस्था की स्थापना के लिए जनयुद्ध के रास्ते में आगे बढ़ें।

पीएलजीए की 14 वीं स्थापना वर्षगांठ के मौके पर 2 से 8 दिसंबर तक सप्ताह भर गांव–गांव में सभा, सम्मेलन, रैली, गीत, नृत्य, नाटक आदि का आयोजन होगा जनमुक्ति छापामार सेना की सफलताओं का जश्न मनाया जायेगा। इन सफलताओं को हासिल करने में अपनी अनमोल जानें कुरबान करने वाले पीएलजीए के जांबाज योद्धाओं व कमांडरों को याद किया जायेगा। उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया जायेगा। पीएलजीए में भर्ती अभियान चलाया जायेगा। हम विशेष रूप से इस बात की ओर मीडिया का ध्यान दिलाना चाहते हैं कि इस सप्ताह भर में कोई *<u>cn dk vk;ktu ugh</u>* किया जायेगा।

(गुड्सा उसेण्डी)

प्रवक्ता,

दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी,

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी)